



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English
(In Figures)

(In Words) -----

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में
शब्दों में -----

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी अंग्रेजी

विषय Chemistry

परीक्षा का दिन Friday

दिनांक 15-03-2019

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में ताल ईक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 $\frac{1}{4}$ को 16, 17 $\frac{1}{2}$ को 18, 19 $\frac{3}{4}$ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर _____ संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमचोव कामज ही उपयोग में लिया है। 165/2019

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना साँपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

परीक्षार्थी उत्तर

1
अंक

गैटवर्क ठोस का उदाहरण निम्न है
(1) हीरा

2
अंक

रश्मि वक्त्री मिश्रण - दो या दो से अधिक अवयवों का ऐसा मिश्रण जो उसके अवयवों के संघटन से प्रभावित हुए बिना निश्चित ताप पर अवक्षिप्त होता है रश्मि वक्त्री मिश्रण कहलाता है।

3
अंक

रासायनिक अभिक्रिया का वेग निम्नतांक $1.72 \times 10^4 \text{ s}^{-1}$ है तो अभिक्रिया प्रथम कोटि की होगी

4
अंक

देहली इजर्ज - भ्रूण क्रियाकारी अणुओं द्वारा चारित न्यूनतम इजर्ज जो अभिक्रिया को सम्पन्न होने के लिए आवश्यक हो अर्थात् क्रियाकारी अणुओं द्वारा चारित न्यूनतम इजर्ज जिसे क्रियाकारी अणु उत्पाद में परिवर्तित हो सकें देहली इजर्ज कहलाती है।

5
अंक

द्विदन्तुल्य लिगेण्ड - राफेल्सो डाई एमीन (en)
($\text{H}_2\text{N}-\text{CH}_2-\text{CH}_2-\text{NH}_2$)



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीवार्यी उत्तर

6

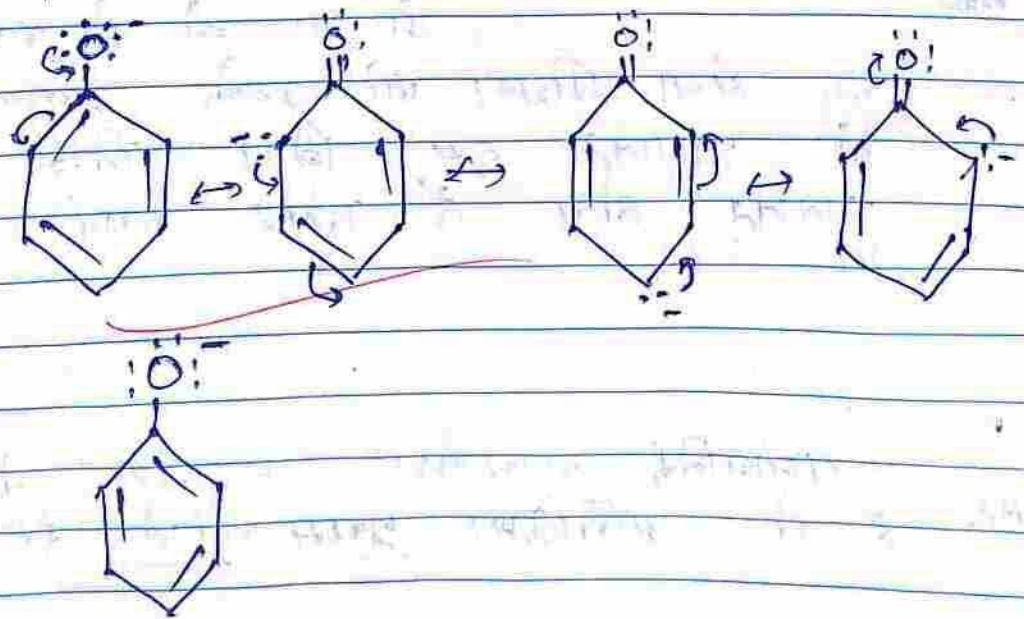
Ans

डाइसिल्वर ईथर का IUPAC नाम लिखें
सिल्वर सिल्वर सिल्वर सिल्वर

7

Ans

फिनॉक्साइड आयन की अनुनादी संरचनाएँ



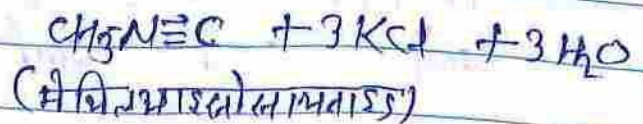
8

Ans

कार्बिलरामिन आयोड्रिया का रासायनिक समीकरण



कार्बिलरामिन (कार्बोफोम)



9

Ans

थाइराइड ग्रामी द्वारा तैयार होने वाले हार्मोन
थाइरोक्सिन होता है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर		
10 अंक		<p>जैवनिम्नीकरण बहुलक का एक उदाहरण लिखिए <u>पॉली लैक्टिक अम्ल</u></p>		
11 अंक		<p>एथेन-N बहुलक की एकलक इकाई लिखिए (i) <u>1,3-एथेनाडाइडिन</u> ($CH_2=CH-CH=CH_2$) (ii) <u>एक्रिलोनाइडाइडिन</u> ($CH_2=CH-CN$)</p>		
12 अंक		<p><u>बहुपरिष्पण घातांक</u> - किसी बहुलक के लिए भार औसत अणुभार (M_w) तथा संख्या औसत अणुभार (M_n) के अनुपात को उसका बहुपरिष्पण घातांक (PDI) कहते हैं।</p>		
$\text{बहुपरिष्पण घातांक (PDI)} = \frac{M_w}{M_n}$				
13 अंक		<p>H_2O अणु में <u>द्वि</u> समरूपित अणु का मान <u>2</u> है।</p>		
14 अंक		<table border="1"> <tr> <td data-bbox="267 1703 812 2020"> <p>(अ) शॉटकी (i) इस प्रकार के दीघ में एक अणुभार व एक अणुभार <u>जालक</u></p> </td> <td data-bbox="820 1703 1599 2020"> <p>फ्रैक्ल दीघ इसमें एक अणुभार अणुभार मूल स्थान को छोड़कर <u>जालक</u> में अन्य अणुभार</p> </td> </tr> </table>	<p>(अ) शॉटकी (i) इस प्रकार के दीघ में एक अणुभार व एक अणुभार <u>जालक</u></p>	<p>फ्रैक्ल दीघ इसमें एक अणुभार अणुभार मूल स्थान को छोड़कर <u>जालक</u> में अन्य अणुभार</p>
<p>(अ) शॉटकी (i) इस प्रकार के दीघ में एक अणुभार व एक अणुभार <u>जालक</u></p>	<p>फ्रैक्ल दीघ इसमें एक अणुभार अणुभार मूल स्थान को छोड़कर <u>जालक</u> में अन्य अणुभार</p>			



परीक्षक द्वारा
प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

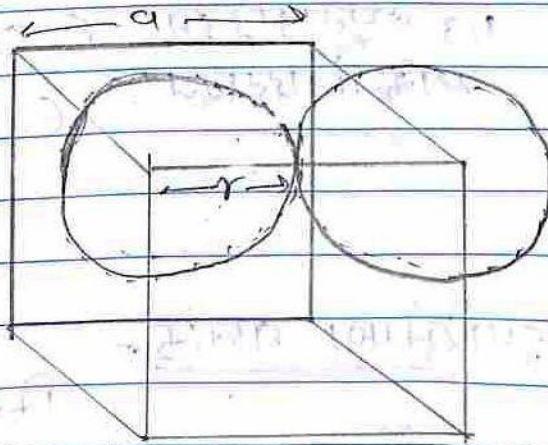
से बाहर चले जाते हैं।

खाली से चला
जाता है।

उदाहरण - NaCl, KCl

उदाहरण - AgCl, AgBr

(व)



माना शरलक्षणीय जाबक की लंबाई $= a$ तथा इसी
सिन्धु पर उपाख्य गोलों की त्रिज्या $= r$

$$a = 2r \quad \text{--- (1)}$$

शरलक्षणीय जाबक से पक्काशुभरी गरीबी की संख्या
 $= \frac{1}{8} \times 8 = 1$

$$\text{संकुलन दस्ता} = \frac{4/3 \pi r^3}{a^3} \times 100\%$$

सही करी वरु मान रखी वरु



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

$$= \frac{4 \times 1723}{3 \times 8023} \times 100\%$$

$$= \frac{4 \times 3.14 \times 100\%}{3 \times 8}$$

$$= \frac{1256}{24}$$

$$= \frac{157}{3}$$

$$= 52.34$$

अंशुलत रकमत = 52.34%

15

15

Ans.

आन्डगत $\approx 0.05 \text{ M}$

ताप (T) = 300K

$\alpha = 92\% = 0.92$

हम जानते हैं.

$$\alpha = \frac{j-1}{(n-1)}$$

$n = 5$

$$j = \frac{\alpha(n-1) + 1}{1}$$

$$= 0.92(5-1) + 1$$

$$= 0.92 \times 4 + 1$$

$$= 3.68 + 1$$

$j = 4.68$



परीक्षक द्वारा प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

परमाणु द्रव

$$\pi = CRT$$

$$\pi = 4.66 \times 0.05 \times 0.0821 \times 300$$

$$\pi = 4.66 \times 0.0821 \times 15 \Rightarrow 5.76$$

$$\pi = 1.92 \text{ atm (वाष्पमंडल)}$$

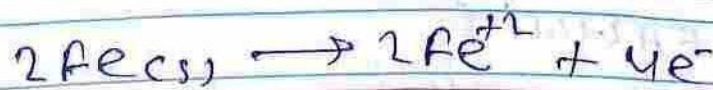
16

अ

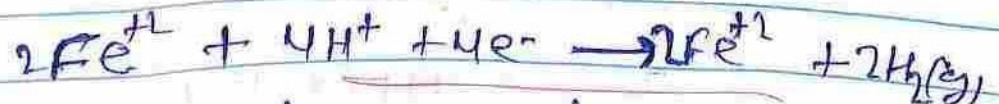
(क) विद्युत अपघटनी के चालक से प्रभावित करने वाले से कारण बता

- (1) ताप
- (2) सांद्रता

(ख) संज्ञाएँ एवं वैद्युत रासायनिक परिवर्तन हैं। इनमें धातु के अणु एक भाग से ऑक्सीकरण होते हैं तथा वह अणु की तरह व्यवहार करती हैं



जो इलेक्ट्रॉन धातु के अन्य भाग में जाकर H^+ से H_2 प्राप्त होता है धातु के अणु की तरह कार्य करती हैं



यह धातु भाग Fe^{+2} में अपघटित होकर ऑक्सीकरण

जल वाष्प के साथ $Fe_2O_3 \cdot xH_2O$ बनाती है जो धरे में ही जमा होकर



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उजर

दिलखाई देती है।

7

Ans.

$$\text{ताप (T)} = 298 \text{ K}$$

$$\text{सांद्रता } = 0.10 \text{ M}$$

$$\text{घनत्व (K)} = 0.0129 \text{ S cm}^{-1}$$

$$\text{मोल प्रति सांद्रता } (\lambda_m) = \frac{K \times 1000}{M}$$

$$\lambda_m = \frac{0.0129 \times 1000}{0.1}$$

$$\lambda_m = \frac{12.9}{0.1}$$

$$\lambda_m = 129 \text{ S cm}^2 \text{ mol}^{-1}$$

18

Ans.

$$\text{समय (t)} = 40 \text{ मिनट}$$

$$\text{विघटन (x)} = \frac{9 \times 20}{100}$$

$$k = \frac{2.303}{t} \log \frac{a}{a-x}$$

$$= \frac{2.303}{40} \log \frac{9}{9 - \frac{9 \times 20}{100}}$$

$$= \frac{2.303}{40} \log \frac{9}{9 - 1.8}$$

परीक्षक द्वारा
प्रश्न अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

$$K = \frac{2.303}{40} \log \frac{100}{60}$$

$$K = \frac{2.303}{40} (\log 10 - \log 6)$$

$$K = \frac{2.303}{40} (1 - \log(2)3)$$

$$K = \frac{2.303}{40} (1 - 3 \times 0.3010)$$

$$K = \frac{2.303}{40} (1 - 0.9030)$$

$$K = \frac{2.303 \times 0.097}{40}$$

$$K = \frac{0.22}{40}$$

$$K = 5.5 \times 10^{-3} \text{ min}^{-1}$$

हम जानते हैं

$$t_{1/2} = \frac{0.693}{5.5 \times 10^{-3}}$$

$$t_{1/2} = \frac{693}{5.5}$$

$$t_{1/2} = 126 \text{ min}$$



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

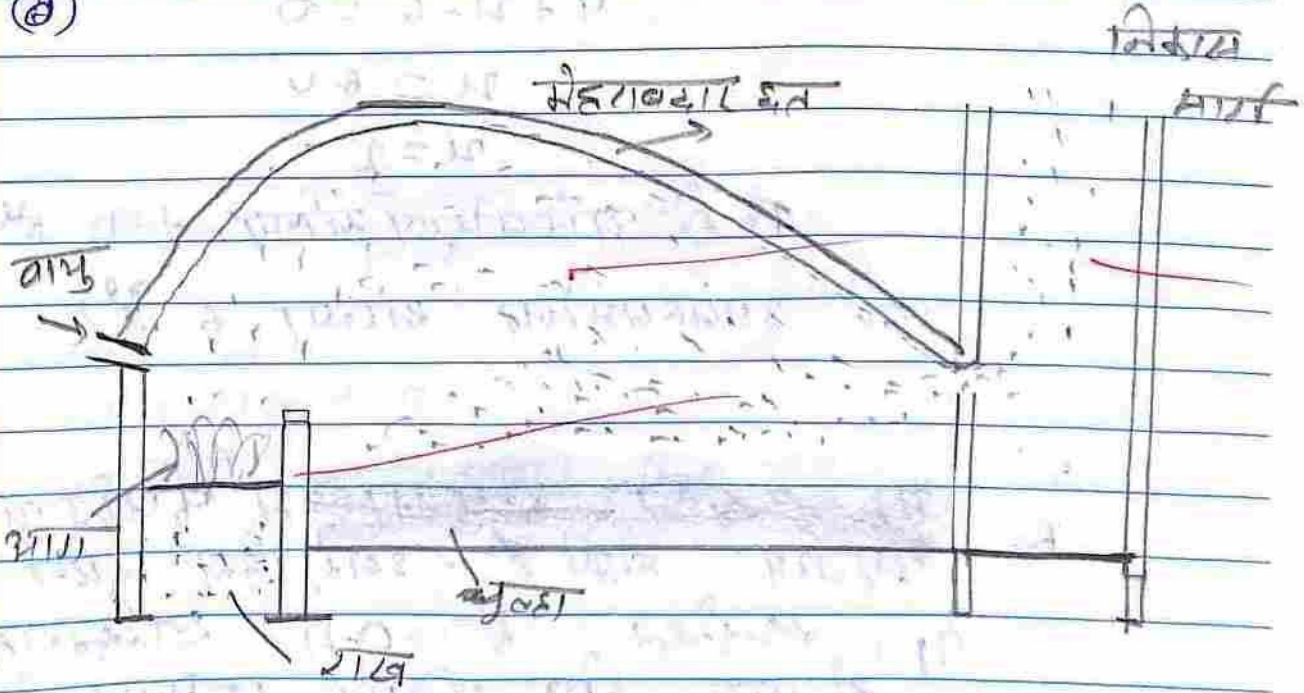
परीक्षार्थी उत्तर

19

10.9

(अ) प्लुमिब्रिफम की वक्रित शालुकर की गीफाइट इस की श्रमिका -
 इससे गीफाइट की छडे खरीड की तरह कार्य करती है

(ब)



चित्र: परावर्तनी शरणी

20

10.9

(अ) $[Co(en)_3]^{3+}$

माना Co की ऑक्सीकरण संख्या = x

$$x + 3 \times 0 = 3$$

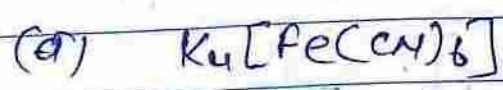
$$x = 3$$

Co की ऑक्सीकरण संख्या = 3



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या

CO की संयोजन संख्या = 6



माना Fe की ऑक्सीकरण संख्या = x

$$4 + 4x + 2 + 6x - 1 = 0$$

$$4 + 2x - 6 = 0$$

$$2x = 6 - 4$$

$$x = 2$$

Fe की ऑक्सीकरण संख्या +2 है

इससे उपसहसंयोजक संख्या 6 है।

21
Ans

(अ) एल्कोहल की तुलना में फीरॉल प्राथमिक अम्लीय होती है - इसके विभिन्न कारण

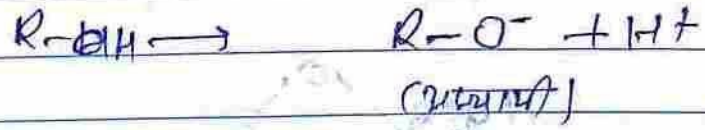
- (1) एल्कोहल में -OH एक इलेक्ट्रॉन दानक है जो H-जोड़ा होता है जिसका +I प्रभाव होता है जिससे H+ अम्लीयता का विकास नहीं होता है
- (2) एल्कोहल में -OH, sp³ इलेक्ट्रॉन दानक है जो H-जोड़ा होता है जिसकी विद्युत ऋणात्मकता कम होती है जिससे -OH धन्य में प्रवृत्त उपस्थित नहीं होती है
- (3) एल्कोहल में +I प्रभाव के कारण एल्कोहल अम्लीयता कम करता है जो कि अम्लीयता को कम करती है। इसके विपरीत H+ उप, इससे



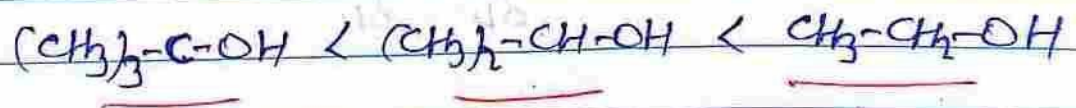
परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

बन्ध बना लेता है।

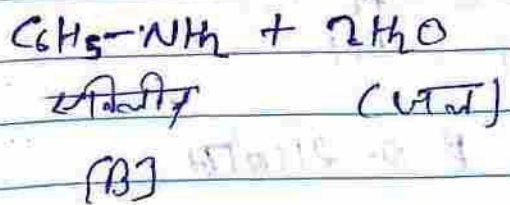
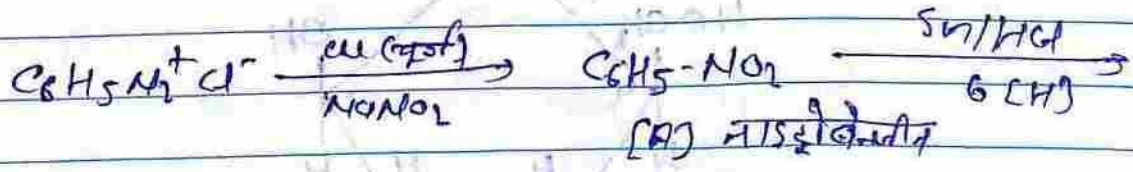


(ब) एल्किलीकरण अभिक्रिया के प्रति उसकी बन्धन शक्ति क्रियाशीलता का क्रम



22

Ans.



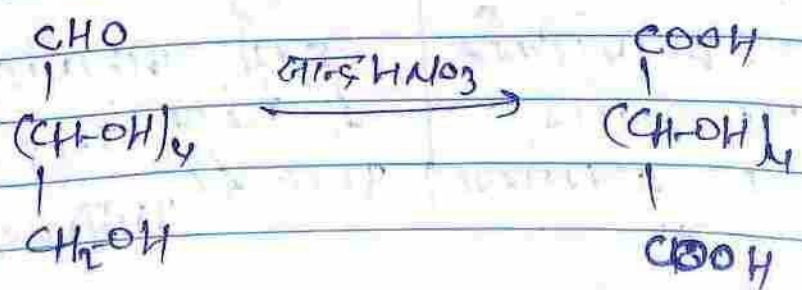
[A] - नाइट्रोबेन्जीन [C₆H₅NO₂]

[B] - एल (एल) [C₆H₅NH₂] + जल (2H₂O)

23

Ans.

(अ) जब ग्लूकोस सांद्र HNO₃ से क्रिया करता है तो सैक्रारिक अम्ल बनता है।



सैक्रारिक अम्ल

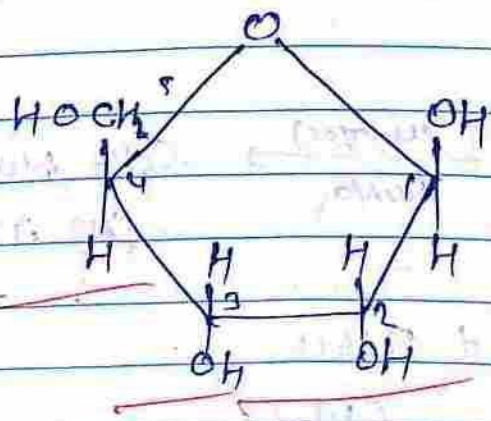
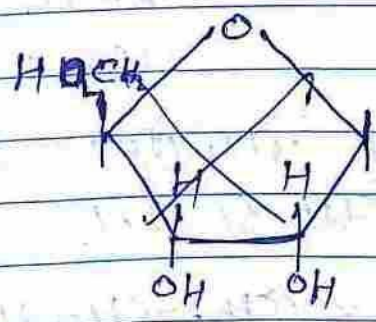


परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ब) β -D-राइबोस की संरचना



β -D-राइबोस

24

बि. 8

(अ) विन्पासी इन समावपवियो डो
 (1) एक दूसरे से परिकर्षित हो के लिए कधीडा की हुना आवरमकु हो.
 (क) इनसे अन्तपरिवर्तन के लिए आद्विउ कुज की आवरमकु होनी हो

संघपीप ये समावपवी बिना कन्ध नीड ही आसानी से से परस्परा अन्तपरिवर्तन होजात हो.
 इनसे अन्तपरिवर्तन के लिए 3-15 KJ/mol कुज की आवरमकु होनी



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

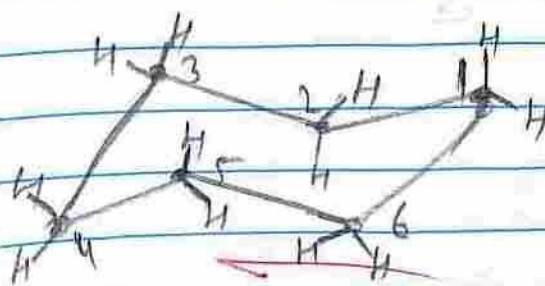
प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(3) इन समावर्तकों को आसानी से विलाग्न किया जा सकता है।

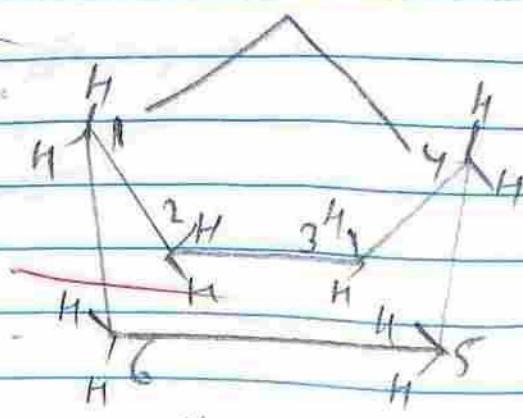
इनमें आसानी से विलाग्न नहीं किया जा सकता है।

(ब) साइक्लोहेक्सेन का कुर्ची संरूप नौका संरूप से अधिक स्थायी होता है क्योंकि कुर्ची रूप में इतने C-H तथा कार्बन-प-इंटरैक्शन के कारण इसी आधिकार्य होती है। इसलिए यह स्थायी होता है जबकि नौका संरूप में कार्बन-प तथा कार्बन-प-इंटरैक्शन के कारण इसी प्रकार होती है इसलिए इसकी ऊर्जा अधिक तथा यह कम स्थायी होता है।



कुर्ची संरूप

C, वेल्ड संरूप न्यूनतम होती



नौका संरूप



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

25
Ans

(अ) लैन्थेनाइड रक्त के हाइड्रोक्साइड की क्षारीय प्रकृति वाई से दापी भरे जाने पर धक्की है क्योंकि वाई से दापी भरे जाने पर लैन्थेनाइड संकुचन के कारण इनका आकार घटता है जिससे विद्युत प्रेरणामय बहती है इसलिये प्र. आसानी से 0.1% सापेक्ष नहीं चलाया जाते हैं।

(ब) मिश्र धातु के निर्माण में प्रमुख दो लैन्थेनाइड सीरियम (Ce) और निओडिम (Nd) हैं।

(स) नए आविष्कारों अथवा हाली के नए लैन्थेनाइड निओडिमिडिम हैं।
सीरियम है।



परीक्षक द्वारा प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

26

108

(अ) खाद्य पदार्थों से प्राप्त उन खाद्य पदार्थों को परिष्कृत करने में उनकी आसुक्ति बनाए रखने तथा पोषण गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सिलाने जाना है।

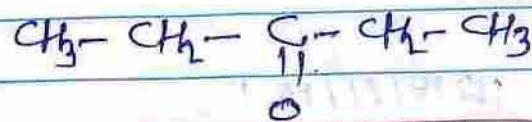
(ब) की खाद्य परिष्कार
(1) साबुन (2) पैराबिंस

(स) मधुमेह के रोगियों को सैंडूरीन का प्रयोग की सलाह दी जाती है क्योंकि यह सैंडूरीन हमारे शरीर में अवशोषण नहीं होती है यह बिना किसी अवशोषण के मूत्र द्वारा बाहर त्याग दी जाती है।

27

109

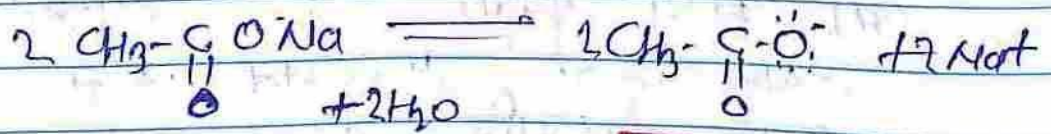
(अ) डाई एथिल डीगोन का संरचना सूत्र



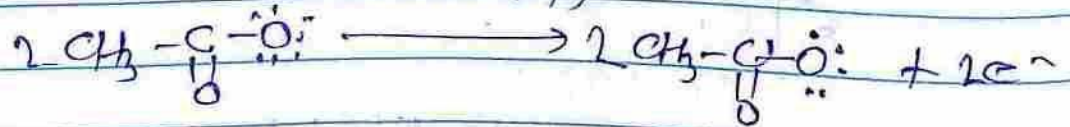
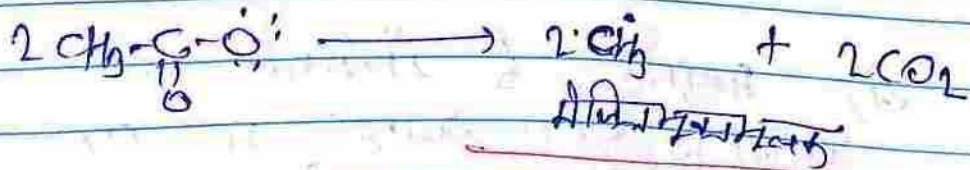
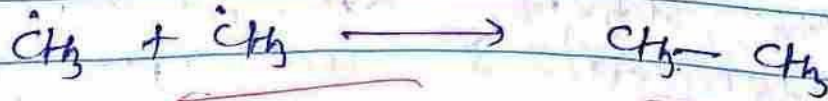
(ब) कोल्ब वेद्युत अपघटन की डिपॉजिटि इसमें कार्बोसिलिक अम्ल की डिपॉजिट के सिद्धिपत्र अकार्बिक अम्ल के वेद्युत अपघटन करवाया जाता है यह डिपॉ सूत्र मूलक डिपॉजिटि है।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

Anode

(आक्सीकरण)

एलीक्ट्रॉन निकालमीथिलीन यौग निकालCathode

अपचयन



26

28

(अ) अधिशोषण -

जब कोई इव पारिपूर्ण पदार्थ (अधिशोषण) किसी अन्य इव पारिपूर्ण पदार्थ पर जमा हो तो अधिशोषण कहते हैं। इस घटना को अधिशोषण कहते हैं।

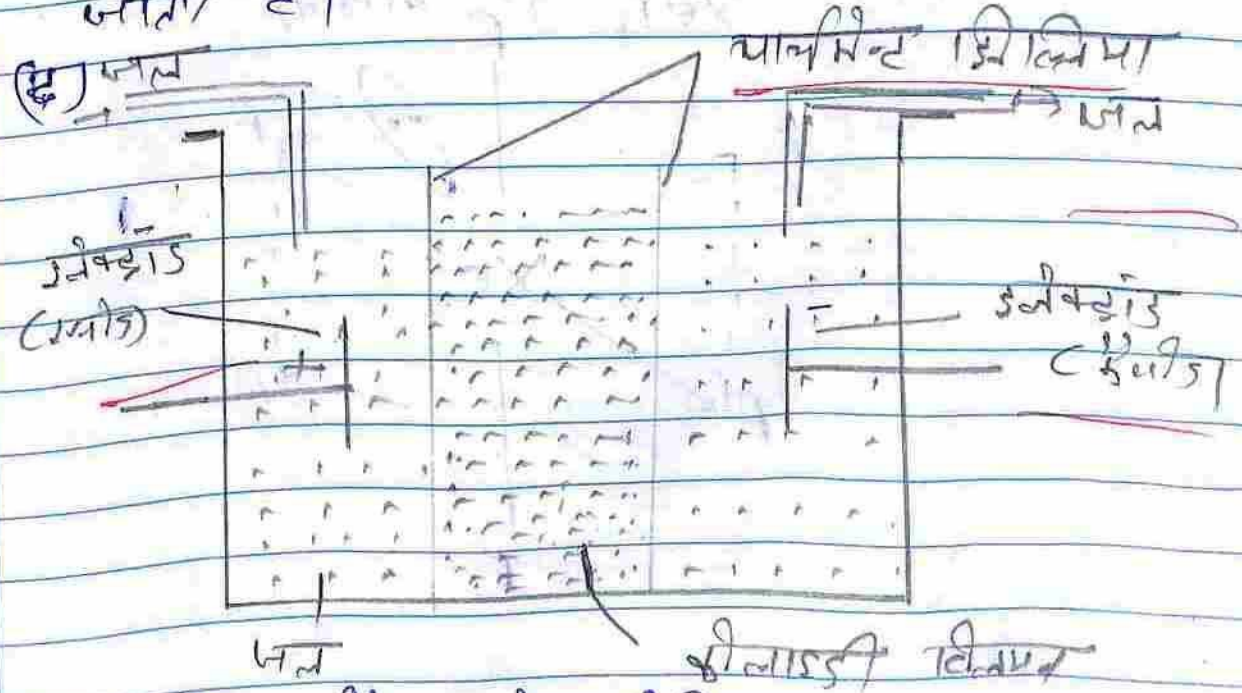


परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक पत्र संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(क) जब कोलाइडी विलयन से विद्युत धारा प्रवाहित की जाती है तो कोलाइडी विलयन के कण आविपलीन आवेशित इलेक्ट्रॉन की ओर गमन करते हैं। यदि कोलाइडी कण पर धनावेश है तो धरा के ओर की तरफ तथा यदि ऋणावेश है तो धरा की तरफ गति करते हैं।

(ख) जल में शुद्धता में फिक्की मिलान है क्योंकि जल में कणों में जो जीवाणु आदि अशुद्धियाँ पाई जाती हैं जिन पर ऋणावेश होता है जब फिक्की मिलान है तो फिक्की में उपस्थित अणुओं में ऋणावेश अशुद्धियों को निरावेशित कर देता है जिससे वे पद से पमा हो जाती हैं।



चित्र: - वैद्युत अर्पण विधि



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
29		
100		<p>(क) अमोनिया में नाइट्रोजन परमाणु की संरचना sp^3 होता है।</p>
		<p>(ख) जब कार्बन (C) खान्ड H_2SO_4 में डुबाया जाता है तो कार्बनडाइऑक्साइड गैस, SO_2 गैस तथा जल बनता है।</p> $C + 2H_2SO_4 \longrightarrow CO_2 + 2SO_2 + 2H_2O$
		<p>(ग) डेल्टाजन यौगिक की तुलना में अल्फाडेल्टाजन यौगिक अधिक क्रियाशील होते हैं क्योंकि अल्फाडेल्टाजन में <u>आबन्ध डेल्टाजनी के आबन्धों की तुलना में दुबल होते हैं।</u></p>
		<p>(द) XeF_6 की संरचना</p>



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

परीक्षार्थी उत्तर

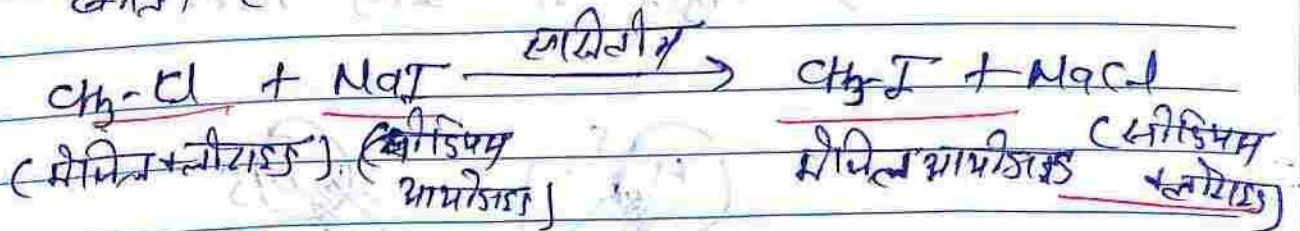
30

10/28

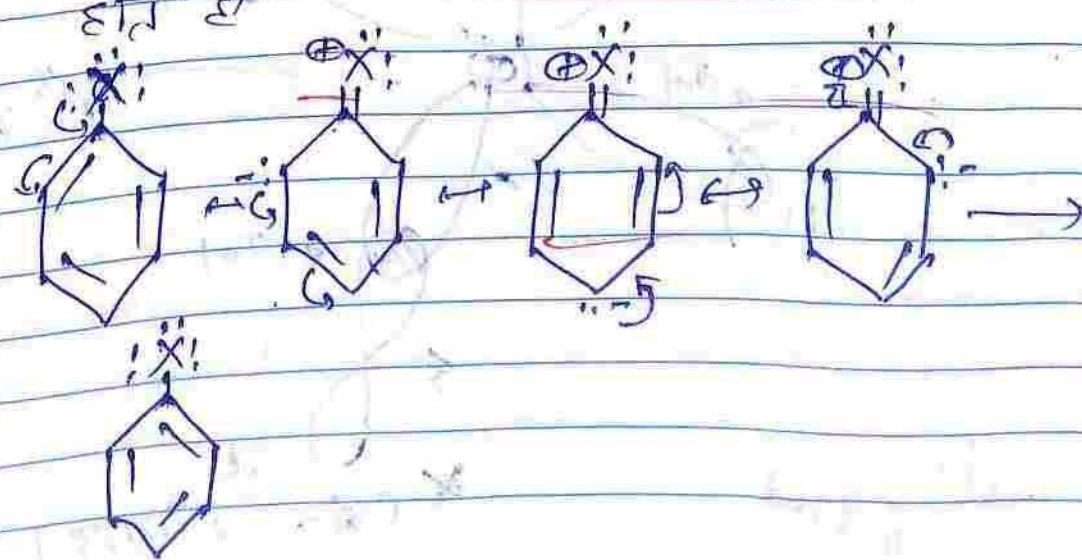
(अ) फिरुल्लस्टाइन अभिक्रिया.

जब रुब्रिकेन

का ब्रोमाइड या क्लोमाइड की अभिक्रिया सोडियम थायोसाइड से रुब्रिकेन के क्लोराइड जाती है। रुब्रिकेन थायोसाइड बनती है।



(ब) रुब्रिकेन हैलाइड नामिक सूत्री प्रतिस्थापन अभिक्रियाओं के पुत्री रूप विभाजित होते हैं क्योंकि इसमें X उत्तर प्रमाण के कारण अनुनाद होता है जिससे इस C-X बंध में आंशिक द्विबन्ध के गुण आ जाते हैं इस जिससे इस मूलक होता है इसलिए यह नामिक सूत्री अभिक्रिया के पुत्री रूप विभाजित होते हैं।

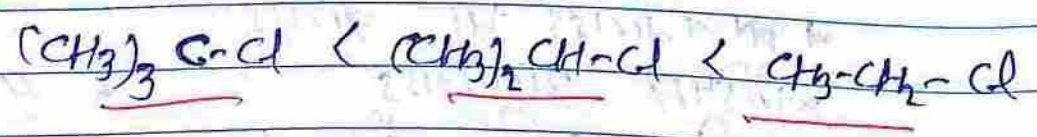




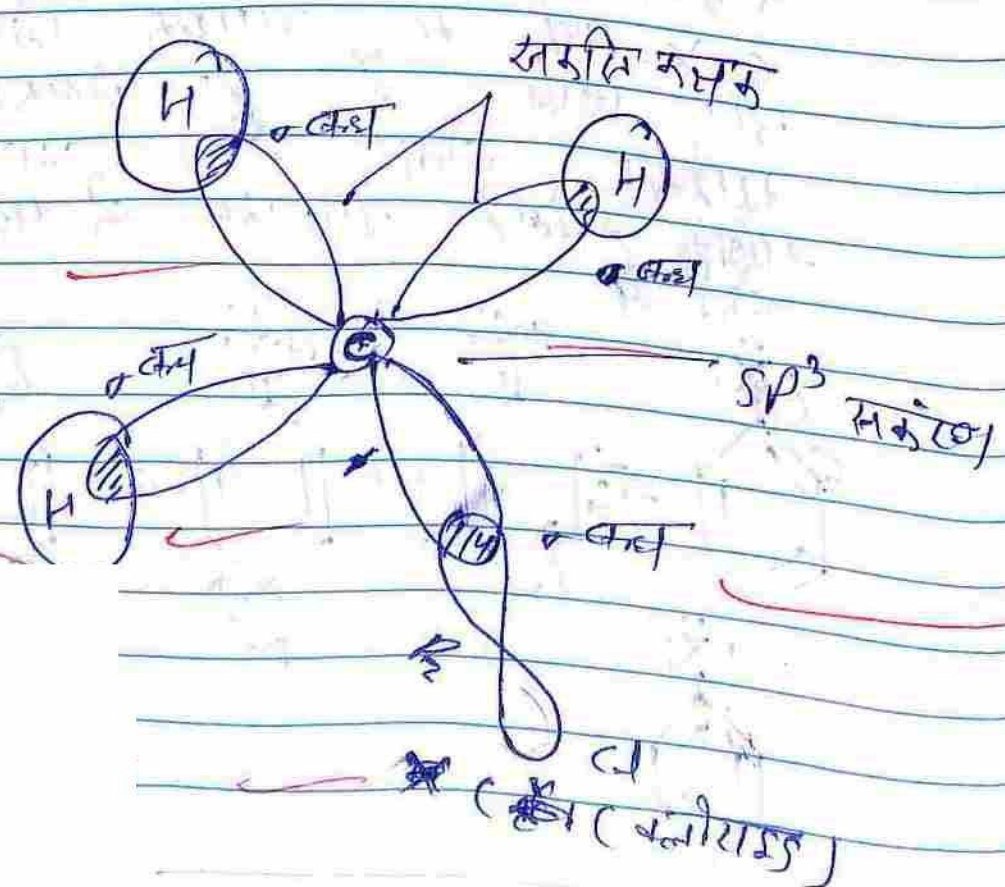
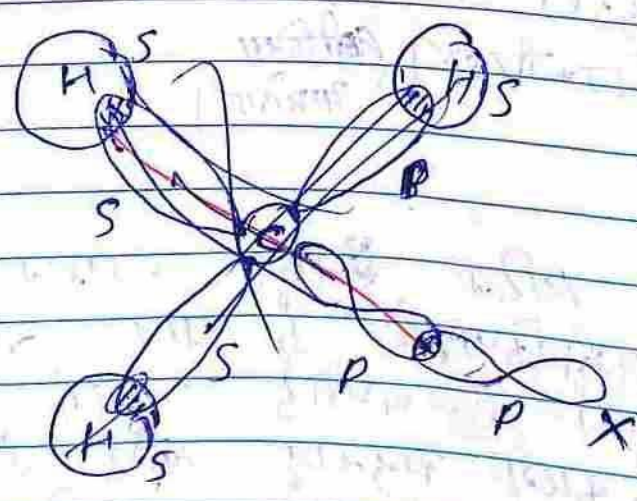
परीक्षक द्वारा प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी पत्र

(स) एलिल क्लोराइड की संरचनात्मक सूत्र लिखिए।
प्रति कक्षा 2 अंक



(द) एलिल की संरचना





परीक्षक द्वारा
प्रश्न अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

Limit



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

RSUR-1657019

X